भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4282

सोमवार, 27 मार्च, 2023/6 चैत्र, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

फेरी, सी-प्लेन, क्रूज और कारवां पर्यटन को बढ़ावा देना

4282. श्री रमेश चन्द्र कौशिकः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा देशभर में फेरी पर्यटन, सी-प्लेन पर्यटन, क्रूज पर्यटन और कारवां पर्यटन को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): जी हाँ, महोदय। पर्यटन मंत्रालय ने देशभर में फेरी पर्यटन, सी-प्लेन पर्यटन, क्रूज पर्यटन और कारवां पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए निम्नलिखित प्रयास किए हैं:-

(i) पर्यटन मंत्रालय क्रूज पर्यटन और नदियों में क्रूजिंग सहित पर्यटन के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्र सरकार की एजेंसियों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है।

(ii) सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता और सचिव (पोत परिवहन) की सह-अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया गया है ताकि भारत में क्रूज पर्यटन हेतु एक समर्थित ईको-सिस्टम का सृजन करने के लिए समन्वित प्रयास किए जा सके।इस कार्यबल में पत्तन, स्वास्थ्य मंत्रालय, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, कस्टम, सीआईएसएफ, तटीय राज्यों आदि के प्रतिनिधि शामिल हैं।

(iii) पर्यटन मंत्रालय ने दिनांक 14 से 15 मई, 2022 को मुम्बई में आयोजित प्रथम अतुल्य भारत अंतर्राष्ट्रीय क्रूज सम्मेलन हेतु पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के साथ साझेदारी की।

(iv) पर्यटन मंत्रालय ने एक नई राष्ट्रीय पर्यटन नीति का मसौदा तैयार किया है जो अन्य बातों के साथ-साथ कारवां उद्यानों सहित विशिष्ट पर्यटन उत्पादों के विकास पर भी बल देती है।

इसके अतिरिक्त भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने हाल ही में वाराणसी से डिब्रूगढ़ तक दुनिया के सबसे लम्बे रिवर क्रूज को झंड़ी दिखाकर रवाना किया।

जैसाकि भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा सूचित किया गया है आईडब्ल्यूएआई द्वारा राष्ट्रीय जलमार्गों पर परिवहन के लिए विकसित फेयरवे, टर्मिनल, जेट्टी, नेविगेशन ऐड आदि सहित अवसंरचना का प्रयोग नदी पर्यटन ऑपरेटरों द्वारा भी किया जाता है।

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा यह भी बताया गया है कि उन्होंने उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के तहत परिवहन का एक नया साधन अर्थात वाटर एयरोड्रोम से सीप्लेन का संचालन शुरू किया है। उड़ान योजना के तहत लगाई गई विभिन्न बोलियों (बिडिंग) के दौरान गुजरात, असम, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप, गोवा, हिमाचल प्रदेश और लक्षद्वीप के राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 25 वाटर एयरोड्रोम को जोड़ने वाले 56 सीप्लेन रूट चिह्नित किए गए थे।

****